दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-११२ वा | मंगळवार १९ मे २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

शिक्षा या व्यापार?-नीट, कोचिंग माफिया और सरकारी संरक्षण का खतरनाक गठजोड़

विशेष संपादकीय
काजी मखदुम।

भारत में शिक्षा को कभी इबादत का दर्जा प्राप्त था, लेकिन आज यही शिक्षा एक ऐसे बाजार में बदलती जा रही है जहाँ प्रतिभा से ज्यादा पैसा बोलता है। नीट (छएएढ) जैसे राष्ट्रीय स्तर के परीक्षा तंत्र, जो गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों के सपनों का आधार माने जाते थे, आज लगातार भ्रष्टाचार, पेपर लीक और कोचिंग माफिया के शिकंजे में फँसते जा रहे हैं। लातूर के शिवराज मोटेगांवकर उर्फ एम सर की गिरफ्तारी केवल एक व्यक्ति का अपराध नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के चेहरे पर एक करारा तमाचा है। जो शिक्षक कभी साइकिल से कोचिंग पढ़ाने आते थे, वे कुछ ही वर्षों में अरबों की संपत्ति के मालिक कैसे बन गए? यह सवाल केवल जनता ही नहीं, बल्कि सरकार, शिक्षा बोर्ड और जांच एजेंसियों से भी जवाब मांग रहा है।

इसी प्रकार बीड जिले के पाटोदा के रहने वाले कुलकर्णी कि लातुर उड़ान और बीड में टोले जंग इमारत का निर्माण इस दास्तान के पन्ने खोलने के लिए काफी है

यह पहला मामला नहीं है। पिछले कई वर्षों से नीट, जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के आसपास एक ऐसा माफिया खड़ा हो चुका है जिसने शिक्षा को व्यवसाय और छात्रों के सपनों को सौदेबाजी का माध्यम बना दिया है। कोचिंग क्लासों के नाम पर हजारों करोड़ रुपये का उद्योग खड़ा हो चुका है, जहाँ विज्ञापनों में सफलता बेची जाती है और पर्दे के पीछे प्रश्नपत्रों की खरीद-फरोख्त के आरोप सामने आते रहते हैं।

दुखद बात यह है कि इस पूरे तंत्र को केवल कुछ भ्रष्ट लोग ही नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र की चुप्पी और संरक्षण भी ताकत देता है। यदि सख्त निगरानी, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और समय पर कार्रवाई होती, तो इतने बड़े स्तर पर पेपर लीक संभव ही नहीं होता। सवाल यह भी है कि परीक्षा से बारह दिन पहले प्रश्नपत्र किसी के मोबाइल तक पहुँचा कैसे? क्या यह केवल एक व्यक्ति की चालाकी थी या फिर सिस्टम के भीतर बैठे प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत?

आज देशभर के लाखों छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं। गरीब माता-पिता जमीन बेचकर बच्चों को कोचिंग क्लासों में भेजते हैं। अनेक छात्र मानसिक तनाव, अवसाद और असफलता के भय में जीवन जी रहे हैं। ऐसे में यदि पैसे और पहुँच वाले लोग पेपर लीक के जरिए सीटें खरीदने लगें, तो यह केवल अपराध नहीं बल्कि देश के भविष्य की हत्या है।

लातूर, कोटा, पटना और अन्य कोचिंग केंद्रों में शिक्षा अब एक कॉर्पोरेट उद्योग बन चुकी है। बड़े-बड़े होर्डिंग, सफलता के झूठे दावे, टॉपर्स की मार्केटिंग और लाखों की फीस - यह सब इस बात का प्रमाण है कि असली उद्देश्य ज्ञान नहीं बल्कि मुनाफा है। कोचिंग क्लासों का यह जाल स्कूलों और कॉलेजों को भी कमजोर कर रहा है। शिक्षण संस्थान केवल औपचारिकता बनते जा रहे हैं, जबकि असली शक्ति कोचिंग माफिया के हाथों में चली गई है।

जरूरत इस बात की है कि सरकार केवल गिरफ्तारी और समाचारों तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र में व्यापक सुधार करे। सबसे पहले राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को पूरी तरह डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया जाए। प्रश्नपत्र तैयार ▶▶पान ४ पे

NEET पेपर लीक मामला : लातूर के RCC कोचिंग संचालक शिवराज मोटेगावकर CBI हिरासत में

'उस' वीडियो से बढ़ा RCC संचालक पर शक

नई दिल्ली - देशभर में चर्चित छएएढ पेपर लीक मामले में लातूर के प्रसिद्ध RCC कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालक शिवराज मोटेगावकर के खिलाफ जांच तेज हो गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू विशेष न्यायालय ने मोटेगावकर को ९ दिन की उइख हिरासत में भेज दिया है। जांच के दौरान उनके मोबाइल से संदिग्ध चैट, संपर्क नंबर तथा घर से रसायनशास्त्र विषय की NEET परीक्षा की प्रश्नपत्रिका बरामद होने का दावा उइख ने अदालत में किया।

CBI ने अदालत को बताया कि लातूर से गिरफ्तार किए गए प्रोफेसर कुलकर्णी की पूछताछ में शिवराज मोटेगावकर का नाम सामने आया। दोनों के बीच संपर्क और कथित पेपर लीक कनेक्शन उजागर होने के बाद CBI ने लातूर स्थित उनके घर पर छापा मारा। इस कार्रवाई में रसायनशास्त्र विषय की प्रश्नपत्रिका मिलने से जांच ▶▶पान ४ पे

शेर ए पंजाब मौलाना उस्मान साहब लुधियानवी और शेर ए महाराष्ट्र मुफ्ती मोहम्मद हारून साहब नदवी आज बालापुर में प्रोग्राम से पहले भुसावल शहर में मशवरा करते हुए

महाराष्ट्र की प्रसिद्ध दीनि व तबलीगी शख्सियत अमीर-ए-जमात हाजी हाफिज मंजूर अहमद साहब का इंतकाल

पुना संवाददाता

जमाअती और दीनि हलकों में शोक की लहर

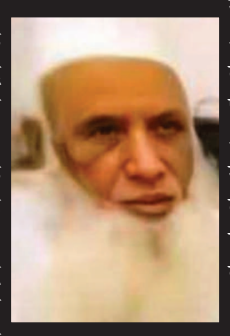

जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना हाफिज मोहम्मद नदीम सिद्दीकी का ताज़ियती बयान

अत्यंत दुख और गहरे शोक के साथ यह सूचना दी जाती है कि आज दिनांक १८ मई, सोमवार को महाराष्ट्र की प्रसिद्ध और मशहूर दीनि व दावती शख्सियत, तबलीगी जमात के अत्यंत सक्रिय एवं निष्कपट जिम्मेदार अमीर-ए-जमात हाजी हाफिज मंजूर अहमद साहब का इंतकाल हो गया। वे इस नश्वर संसार को छोड़कर अपने वास्तविक मालिक से जा मिले। इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन।

हाफिज मंजूर साहब के इंतकाल की खबर से पूरे महाराष्ट्र के दीनि और दावती हलकों में गम की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना हाफिज मोहम्मद नदीम सिद्दीकी साहब ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे मिल्लत-ए-इस्लामिया का बड़ा नुकसान बताया है।

मरहूम लंबे समय से दावत और तबलीग के महान मिशन से जुड़े हुए थे तथा महाराष्ट्र में दीनि जागरूकता, समाज सुधार और युवाओं की तरबियत के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहे थे। उनकी जिंदगी सादगी, तक़वा, निष्कपटता और दीन की निःस्वार्थ सेवा का सुंदर उदाहरण थी।

हाफिज मंजूर साहब रहमतुल्लाह अलैह ने अपना पूरा जीवन अल्लाह के दीन की मेहनत, उम्मत की इस्लाह और मुसलमानों को दीन से जोड़ने में समर्पित कर दिया। वे अत्यंत विनम्र, मिलनसार, खुशमिजाज और दर्दमंद इंसान थे। उनके बयान और नसीहतों से हजारों लोगों ने दीनि लाभ प्राप्त किया। वे हमेशा उम्मत की एकता, अमल में निष्कपटता और सुन्नत-ए-नबवी ﷺ की पैरवी पर जोर देते थे।

उन्होंने महाराष्ट्र के मुसलमानों की दीनि और इस्लामी रहनुमाई की, उनके ईमान और अक़ायद की इस्लाह की तथा हजारों मुसलमानों के अमल, अखलाक और किरदार को सुधारने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

मौलाना हाफिज मोहम्मद ▶▶पान ४ पे

धनंजय मुंडे के प्रयासों को सफलता; श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तीर्थक्षेत्र विकास आराखड़े को संशोधित ३०१.५४ करोड़ की मंजूरी

मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में सम्पन्न शिखर समिति की बैठक में मिली मंजूरी, धनंजय मुंडे ने जताया आभार

मुंबई (प्रतिनिधि) - पंचम ज्योतिर्लिंग श्री वैद्यनाथ मंदिर एवं परिसर के विकास के लिए तैयार किए गए श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तीर्थक्षेत्र विकास आराखड़े को संशोधित ३०१.५४ करोड़ रुपये की मंजूरी आज सम्पन्न हुई शिखर समिति की बैठक में राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बैठक में इसकी आधिकारिक घोषणा की। पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे के प्रयासों को इससे बड़ी सफलता मिली है।

विशेष बात यह रही कि दिवंगत नेता स्वर्गीय अजितदादा पवार के जीवित रहते हुए धनंजय मुंडे ने वैद्यनाथ तीर्थक्षेत्र विकास आराखड़े को सार्वजनिक बांधकाम विभाग से नियोजन विभाग को हस्तांतरित कर नियोजन विभाग के माध्यम से लागू करने की मांग की थी। इस मांग को भी शिखर समिति ने मंजूरी दे दी है। अब श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तीर्थक्षेत्र विकास आराखड़ा नियोजन विभाग द्वारा लागू किया जाएगा।

बैठक में धनंजय मुंडे ने वर्तमान में जारी तथा भविष्य में प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए आगामी सभी कार्यों को एकत्रित प्रशासकीय मंजूरी देने का अनुरोध किया, जिस पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई।

श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तीर्थक्षेत्र विकास आराखड़ा पहले २८६ करोड़ रुपये का था। अब इसमें बढ़ी हुई मंजूरी मिलने पर धनंजय मुंडे ने राज्य सरकार का विशेष आभार व्यक्त किया है।

निमंत्रण / दावतनामा
इज्लासे आम (वर्ष ४ थे)
आदाब.... यह बताते हुये बहोत खुशी हो रही है की,
बरोज मंगलवार १९ मई २०२६ को शाम ६ बजे
जामिया अबुल हसन चिखली के सालाना जलसे मे
भारत के सुप्रसिध्द व्यक्तीमत्व तथा पंजाब राज्य के शाही इमाम
हजरत मौलाना उस्मान साहब लुधियानवी
तशरिफ ला रहे है । जो राष्ट्रीय एकात्मता और आदर्श मानवी जीवन
मुल्य इस विषय पर मार्गदर्शन करेंगे ।
इस प्रोग्राम मे आपको विशेष आमंत्रित किया जाता है ।

* जेरे सदारत *
जनाब. जफर मलिक साहब (अमिर साहब, बीड जिल्हा)

* जेरे निगरानी *
मौ. मुफ्ती शफीक पठाण साहब मिल्ली

* जेरे सरपरस्ती *
मौ. हुसेन खान साहब मिल्ली (खडकत)

मेहेमाने खुसुसी / प्रमुख पाहुणे
जनाब. मौ. मुफ्ती आरेफ साहब (दारूल उलुम,बीड)
जनाब. मौ. मुफ्ती अ. जलील कासमी (लातूर)
जनाब. मौ. इर्शादउल्लाह (श्रीरामपूर)
जनाब. मौ. मुफ्ती अ. मुक्तदीर (पाथ्रुड)
जनाब मौ. मुफ्ती अतीकउर रहेमान (मालापुरी)
जनाब मौ. मुफ्ती मोईन (गेवराई)
जनाब मौ. मुफ्ती अनिसउर रहेमान (औरंगाबाद)
जनाब मौ. मुफ्ती अय्युब साहब (नांदेड)
जनाब मौ. मुफ्ती अब्दुल्ला साहब (पुणे)

* प्रमुख उपस्थिती *
मा.आ. सुरेश (आण्णा) धस (आमदार आष्टी,पाटोदा,शिरूर)
मा.आ. भीमरावजी धोंडे साहेब (माजी आमदार)
मा.आ. साहेबराव दरेकर (नाना) (माजी आमदार)
मा.आ. बाळासाहेब आजबे (काका) (माजी आमदार)
मा.महेबूबभाई शेख (प्रदेशाध्यक्ष युवक रा.कॉ. महाराष्ट्र)

* विनीत *
व्यवस्थापन जामिया अबुल हसन, चिखली, उलेमा इक्राम, आष्टी,
समस्त ग्रामस्थ चिखली, ता.आष्टी, जि.बीड

ठिकाण : जामिया अबुल हसन, चिखली, ता. आष्टी, जि.बीड

भीषण गर्मी में जनता को परेशान करने वाले महावितरण अधिकारियों पर भाजपा नेता बालराजे पवार बरसे

काज़ी अमान / गेवराई

विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने सरकारी नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र की गरीब जनता को बिजली देना चाहिए, हमारी कोई शिकायत नहीं है। लेकिन कुछ गांवों में १० से १२ घंटे और कुछ गांवों में केवल ६ से ७ घंटे ही बिजली आपूर्ति की जा रही है। यह अन्याय बंद होना चाहिए, ऐसी अपेक्षा भारतीय जनता पार्टी के नेता बालराजे पवार ने यहां आयोजित बैठक में व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भीषण गर्मी में बिजली न होने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया तो राज्य के ऊर्जा मंत्री अतुल सावे तथा मेघना बोर्डीकर के पास जाकर न्याय मांगना पड़ेगा।

गेवराई तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली संकट के कारण अनेक समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। कई गांवों में भीषण गर्मी के बावजूद दिनभर बिजली नहीं रहती, जिससे नागरिकों को भारी कष्ट झेलना पड़ रहा है। नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए भाजपा नेता बालराजे पवार ने सोमवार, १८ मई को सुबह ११ बजे गेवराई स्थित विद्युत वितरण कंपनी के उपविभागीय कार्यालय पहुंचकर संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया।

सिरसदवी, धोंडराई, रामनगर तांडा, पौळाची वाडी, म्हांडुळगा तांडा, रूई, धानोरा, गौंडगांव, धोंडराई तांडा सहित अनेक गांवों और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इन मुद्दों पर उपविभागीय अभियंता एस. एम. मोरे से विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के सरपंच, पूर्व सरपंच, कार्यकर्ता तथा नागरिकों ने बिजली विभाग की समस्याओं का खुलकर उल्लेख किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में एक्सप्रेस फीडर होने के बावजूद नियमित बिजली आपूर्ति नहीं की जा रही है। कहीं चार घंटे तो कहीं केवल छह घंटे बिजली दी जा रही है। कई गांवों में बिजली की तारें घरों के ऊपर से बेहद नीचे लटक रही हैं, जो हाथ तक पहुंच सकती हैं। कुछ स्थानों पर पोल नहीं लगाए गए हैं और केवल तार बिछाकर बिजली आपूर्ति की जा रही है, जो बेहद खतरनाक स्थिति है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि लिखित और मौखिक शिकायतों के बावजूद अधिकारी और लाइनमैन कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इसके अलावा गेवराई शहर के तय्यबनगर क्षेत्र स्थित तय्यबुल उलूम तथा नए बस स्टैंड परिसर में नए डी.पी. की आवश्यकता बताई गई। शहर के विभिन्न भागों में लगातार बिजली का आना-जाना जारी है, जिससे समय पर बिल भरने के बावजूद नागरिक मानसिक परेशानी झेल रहे हैं। बैठक में बालराजे पवार ने कहा कि भीषण गर्मी में जनता की भावनाओं से खिलवाड़ किया जा रहा है। लोग पिछले एक महीने से अंधेरे में जीवन गुजार रहे हैं। कहीं छह घंटे तो कहीं आठ घंटे बिजली देकर भेदभाव किया जा रहा है। यह पूरी तरह गलत और अन्यायपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्र की गरीब जनता पर अन्याय न करने की अपील की।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्युत वितरण कंपनी के कामकाज में सुधार होना चाहिए। यदि इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो वरिष्ठ अधिकारियों के पास जाकर न्याय की मांग की जाएगी।

इस अवसर पर उपनगराध्यक्ष भगवान जिजा घुंबार्डे, पूर्व नगरसेवक राहुल जिजा खंडागळे, न.प. सभापति सैय्यद बदिउद्दीन, नगरसेविका सुमित्राताई थोरात, संजय जाधव, प्रकाश सुरवसे, प्रशांत राख, सूर्यकांत शिंदे, माऊली वादे, ज्ञानेश्वर भाले, दिलीप मोरे, आखेब काज़ी, भरत गायकवाड, कृष्णा पाटोळे, बाळासाहेब गायकवाड, अशोक वडगणे, प्रा. प्रल्हाद येळापुरे, अशोक चव्हाण, शिवाजी सोलाट, विलास शिंदे, दिनकर राठोड, नोमान फारुकी, रामेश्वर पानखडे, दत्ता गिरी, शोएब आत्तार, श्याम निकम, जमील पठाण, शेख मोहीब, संतोष राठोड, ऋषिकेश पवार, आत्माराम जगताप, सिद्धेश्वर सोलाट, विकास मिठे, राजाभाऊ इदके, कपिल जाधव, उमेश पाटील, सचिन एडके, भाऊसाहेब पवार, दादासाहेब ठवरे, शुभम सोलाट, अमोल परभळे, सुरेश बोर्डे, मुबीन पठाण, ज्ञानेश्वर वरवडे, रोहित काचोळे, श्रीराम शिंदे, राजू पठाण, पिनू गायकवाड सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक उपस्थित थे।

बीड बायपास पर किसानों का रास्ता रोको आंदोलन; वाहनों की लगी लंबी कतारें

ॲड.सुभाष राऊत के नेतृत्व में आंदोलन

बीड, दि. १८ (प्रतिनिधि): बीड शहर के समीप स्थित बीड बायपास पर इमामपुर रोड के सर्विस रोड और स्लिप रोड को ६०० मीटर तक बढ़ाने की मांग को लेकर बार-बार पत्राचार किए जाने के बावजूद काम नहीं होने से नाराज किसानों ने सोमवार (१८ मई) सुबह १० बजे रास्ता रोको आंदोलन किया। महात्मा फुले समता परिषद के प्रदेश सरचिटणीस तथा सिनेट सदस्य एड. सुभाष राऊत और रामभाऊ शिंदे के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

सोलापुर से धुळे राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक ५२ का निर्माण वर्ष २०१९-२० में बी.ओ.टी. तत्व पर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया गया था। लेकिन इस सड़क के निर्माण के दौरान पुराने सोलापुर-धुळे-मांजरसुंबा मार्ग पर छत्रपति संभाजी राजे चौक से इमामपुर रोड तक सड़क की ऊंचाई अधिक कर दी गई, जिससे दोनों ओर स्थित किसानों की जमीन प्रभावित हुई है और खेती करना मुश्किल हो गया है।

वर्तमान में इमामपुर रोड पर स्लिप रोड और सर्विस रोड का कार्य मंजूर होकर जारी है। इसी प्रकार छत्रपति संभाजी राजे चौक, बार्शी रोड पर भी स्लिप रोड और सर्विस रोड का काम चल रहा है। इसी मार्ग पर समनापुर की ओर जाने वाला २० फुट चौड़ा रास्ता भी है। किसानों की मांग है कि यदि इमामपुर रोड से छत्रपति संभाजी राजे चौक तक स्लिप रोड को ६०० मीटर बढ़ाया जाए तो किसानों को खेती में सुविधा होगी तथा कोल्हारवाडी, समनापुर, इमामपुर और शिंदे वस्ती गांवों को इसका लाभ मिलेगा।

इस मांग को लेकर कई बार पत्र व्यवहार किए जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से किसानों ने सोमवार १८ मई को सुबह १० बजे बीड बायपास पर संबंधित स्थान पर भव्य रास्ता रोको आंदोलन किया। इस संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, छत्रपति संभाजीनगर के प्रकल्प संचालक को निवेदन भी सौंपा गया।

इस आंदोलन में महात्मा फुले समता परिषद के प्रदेश सरचिटणीस तथा सिनेट सदस्य एड. सुभाष राऊत, रामभाऊ शिंदे, वामन लिंबाजी शिंदे, दिगंबर तुलसीराम शिंदे, अंकुश तुळशीराम शिंदे, मच्छिंद्र बाबुराव वाणी, रवींद्र मच्छिंद्र माने, जयदीप पांडुरंग पवार, भगवान लिंबाजी शिंदे, प्रविण पालीमकर, सातीराम ठोले, त्र्यंबक कानतोडे, अशोक ठोले, राजाभाऊ ठोले सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

महंगाई का संकट : मोदी सरकार के १२ वर्षों की गलत आर्थिक और विदेश नीतियों का परिणाम-अतुल लोंढे

रुपये के गिरने से अब प्रधानमंत्री की इज्जत नहीं गिरती क्या?

मुंबई : जमीर काजी कि रिपोर्ट

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का बड़ा झटका आम जनता को लग रहा है। ईंधन महंगा होने से खाद्य तेल, दूध समेत सभी वस्तुओं की महंगाई बढ़ने वाली है। यह झुलस केवल ईरान युद्ध के कारण नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी सरकार के १२ वर्षों की गलत आर्थिक और विदेश नीतियों का परिणाम है। यह गंभीर आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने लगाया है।

टिळक भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि, मोदी सरकार के आने के बाद से १४४ महीनों में से १४० महीनों में भारत का आयात-निर्यात नकारात्मक (घाटे में) रहा है। चीन के साथ व्यापार ११२ बिलियन डॉलर नकारात्मक है। हम चीन से ज्यादा आयात करते हैं और कम निर्यात करते हैं। अमेरिका के साथ व्यापार पहले सकारात्मक था, लेकिन एपस्टीन फाइल्स और उद्योगपति अदानी को मिल रही छूट तथा किए गए व्यापार समझौते के कारण भारत के किसानों को नुकसान होगा। अब भारत को अमेरिका के साथ ५०० बिलियन डॉलर का व्यापार करना है, जो नकारात्मक हुए बिना नहीं रहने वाला।

रुपये की निरंतर गिरावट

२०१४ में मोदी सरकार सत्ता में आई थी तब १ डॉलर = ५८ रुपये था, आज वह ९५ रुपये हो चुका है और जल्द ही १०० रुपये तक पहुंच सकता है। दुनिया में सबसे ज्यादा गिरावट वाला मुद्रा बन चुका है रुपया। लेकिन आज प्रधानमंत्री की इज्जत नहीं गिरती क्या?

यूपीए बनाम मोदी सरकार

यूपीए सरकार के समय कच्चे तेल की कीमत १४७ डॉलर प्रति बैरल थी, तब भी पेट्रोल ७२ रुपये और डीजल ५८ रुपये प्रति लीटर था। गैस सिलेंडर ४१२ रुपये का था। आज कच्चे तेल की कीमत ११० डॉलर है, फिर भी पेट्रोल १०० रुपये से ऊपर और सिलेंडर १००० रुपये का है। मोदी सरकार ने सत्ता में आने पर पेट्रोल ३५ रुपये लीटर करने का वादा किया था, उसका क्या हुआ?

शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशक (ऋखख) पैसा निकाल रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा बड़े ठाट-बाट से शुरू की गई 'मेक इन इंडिया', 'स्मार्ट सिटी' और 'मैन्युफैक्चरिंग' योजनाएं फेल हो गई हैं। सरकार दावा करती है कि देश की स्थिति अच्छी है, तो पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें क्यों लग रही हैं? इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।

क्या केवल जनता को त्याग करना है और प्रधानमंत्री को विदेश दौरे करने हैं? - अतुल लोंढे ने तीखा सवाल किया।

रूस-ईरान से सस्ता तेल

रूस और ईरान से भारत को रुपये में तेल मिल रहा था, लेकिन अमेरिका के दबाव के कारण अब वह नहीं मिल पा रहा। रूस से जो सस्ता तेल मिलता था, उसका फायदा मुकेश अंबानी की रिलायंस कंपनी और नायरा कंपनी को हुआ, आम जनता को नहीं।

यूपीए सरकार में एक्साइज ड्यूटी मात्र ३ रुपये थी, जिसे बढ़ाकर ३३ रुपये कर दिया गया। इससे सरकार ने लाखों करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। जब कच्चे तेल की कीमतें कम थीं, तब भी पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटाए गए। २०१५ में ईंधन आयात कम करने और स्वदेशी उत्पादन बढ़ाने का फैसला लिया गया था, लेकिन वह भी असफल रहा। आज आयात ८९ प्रतिशत तक बढ़ गया है।

नितिन गडकरी ने कहा था कि पेट्रोल १५ रुपये लीटर करेंगे, उसका क्या हुआ? - अतुल लोंढे ने पूछा।

बढ़ी हुई आयात, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रुपये की गिरावट - इनका बोझ आम आदमी को ही उठाना पड़ेगा।

विद्यार्थियों की आत्महत्याएं सरकारी बलि

नीट पेपर लीक के कारण देश के २३ लाख विद्यार्थियों के सपनों का बुरा हाल हो गया है और ४ विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली है। ये आत्महत्याएं नहीं, बल्कि सरकार द्वारा लिए गए बलि हैं।

नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी होनी चाहिए थी, लेकिन उन पर और छढ- के महानिदेशक पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उइख जो कार्रवाई कर रही है, वह नाकाफी है और धर्मेंद्र प्रधान बेरोकटोक घूम रहे हैं।

२०१४ में भी नीट का पेपर लीक हुआ था, तब भी उइख जांच हुई थी, आगे क्या हुआ? - अतुल लोंढे ने यह सवाल उठाया है।

नॉर्वे में पत्रकार के सवाल को लेकर राहुल का पीएम मोदी पर तंज, कहा- 'कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम'

दिल्ली: संवादाता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नॉर्वे में पत्रकारों के सवाल नहीं लेने का दावा करते हुए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया। राहुल ने अपने द हैंडल पर कहा, जब छिपाने के लिए कुछ नहीं होता तो डरने की जरूरत नहीं पड़ती।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नॉर्वे की एक पत्रकार का वीडियो शेयर करते हुए ये टिप्पणी की। वीडियो के जरिये दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकारों के सवाल का जवाब नहीं दिया।

राहुल गांधी ने कहा, जब दुनिया एक प्रधानमंत्री को कुछ सवालों से घबराते और भागते हुए देखती है तो भारत की छवि पर क्या असर पड़ता है? राहुल ने मोदी को कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम भी कहा।

'२०० कंटेनर सेब, ४०० कंटेनर केले सड़ गए', गडकरी ने बताया ईरान युद्ध की वजह से उनके परिवार को हुआ आर्थिक नुकसान 'मेरे खिलाफ दर्ज ऋखठ का खुलासा किया जाए', शुभेंदु अधिकारी

की चेतावनी के बाद हाई कोर्ट पहुंचे ढचउ नेता जहांगीर खान छएएढ-णनऋ पेपर लीक कांड में ब्यूटीशियन की अहम भूमिका, उइख जांच में सामने आई चौंकानी वाली सच्चाई

वीडियो में पत्रकार हेले लिंग को यह पूछते हुए सुना जा सकता है, प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते?

बाद में हेले लिंग ने द पर घटना की फुटेज शेयर करते हुए लिखा: भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया, मुझे उनसे ऐसी उम्मीद भी नहीं थी। नॉर्वे विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में पहले स्थान पर है, जबकि भारत फिलिस्तीन, अमीरात और क्यूबा के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए १५७वें स्थान पर है।

पांच देशों की यात्रा पर हैं पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों पांच देशों की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। वह इस यात्रा क्रम में भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने और नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ प्रमुख द्विपक्षीय कार्यक्रम के लिए सोमवार को ओस्लो पहुंचे थे।

अमेरिका के साथ हुआ अडानी की रिहाई का सौदा

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ व्यापार समझौता असल में गौतम अडानी की रिहाई का सौदा था। यहां क्लिक कर पढ़ें पूरी खबर।

पान १ वरून

शिक्षा या व्यापार?-नीट,...

करने से लेकर वितरण तक हर प्रक्रिया की निगरानी स्वतंत्र एजेंसियों को सौंपी जाए। कोचिंग संस्थानों की आर्थिक जांच, उनकी संपत्तियों की पड़ताल और फीस व्यवस्था पर भी सख्त कानून लागू किए जाने चाहिए।

इसके साथ ही सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की शिक्षा को इतना मजबूत बनाया जाए कि छात्रों को कोचिंग संस्थानों पर निर्भर न रहना पड़े। जब तक शिक्षा में समान अवसर और गुणवत्ता नहीं आएगी, तब तक कोचिंग माफिया का प्रभाव समाप्त नहीं होगा।

अभिभावकों को भी चाहिए कि वे केवल चमक-दमक और विज्ञापनों से प्रभावित न हों, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, नैतिक शिक्षा और वास्तविक क्षमता पर ध्यान दें। छात्रों को यह समझना होगा कि शॉर्टकट कुछ समय के लिए लाभ दे सकता है, लेकिन अंततः व्यक्ति और समाज दोनों को नुकसान पहुँचाता है।

आज आवश्यकता एक ऐसे राष्ट्रीय संकल्प की है जिसमें सरकार, न्यायपालिका, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर यह घोषणा करें कि शिक्षा को व्यापार नहीं बनने दिया जाएगा। क्योंकि जब परीक्षाएँ बिकने लगती हैं, तब केवल सीटें नहीं बिकतीं, बल्कि देश का भविष्य नीलाम होने लगता है।

NEET पेपर लीक मामला :...

एजेंसियों का शक और गहरा गया।

अदालत में उइख का दावा

दो दिन की ट्रांजिट रिमांड के बाद मोटेगावकर को दिल्ली की विशेष अदालत में पेश किया गया। उइख ने १० दिन की हिरासत की मांग की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने ९ दिन की उइख हिरासत मंजूर की।

इस दौरान अदालत ने उइख से पूछा कि मोटेगावकर के पास परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्रिका थी, यह कैसे पता चला? इस पर उइख ने प्रोफेसर कुलकर्णी की पूछताछ और जांच में मिले सबूतों का हवाला दिया।

वीडियो से बढ़ा शक

जांच में यह भी सामने आया कि छएएढ परीक्षा के बाद मोटेगावकर ने एक छात्रा के साथ वीडियो रिकॉर्ड किया था। इस वीडियो में दावा किया गया था कि परीक्षा में आए प्रश्न पहले ही उनके क्लास में पढ़ाए गए थे। सूत्रों के अनुसार इसी वीडियो के आधार पर उइख को पहली बार शक हुआ।

इसके बाद आरोपियों से पूछताछ में मोटेगावकर का नाम सामने आने पर उइख ने लातूर में छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार किय

महाराष्ट्र की प्रसिद्ध दीनि व तबलीगी...

नदीम सिद्दीकी साहब ने अपने ताज़ियती बयान में कहा कि मरहूम हाजी हाफिज मंजूर साहब रहमतुल्लाह अलैह से उनके व्यक्तिगत संबंध थे। वे जमीयत उलेमा के कार्यों का भरपूर समर्थन करते थे, दिली मोहब्बत और अकीदत का इज़हार करते तथा दुआओं से नवाज़ते थे।

उन्होंने दुआ की कि अल्लाह तआला मरहूम की तमाम सेवाओं को कबूल फरमाए और उनकी पूरी मगफिरत फरमाए। साथ ही उन्होंने मरहूम के तमाम परिजनों और चाहने वालों से ताज़ियत का इज़हार करते हुए प्रदेश भर के जमीयती साथियों, मस्जिदों के इमामों, मदरसों के जिम्मेदारों और आम लोगों से अपील की कि वे मरहूम के लिए इसाले सवाब और दुआ-ए-मगफिरत का विशेष एहतमाम करें।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com